Date
22/04/2020

TEACHING OF MATHEMATICS

B.Ed. Ist year

Topic. श्रव्य - दृश्य सामग्री
(सहायक सामग्री)

Unit - IVth

Period - IVth

गणित शिक्षण में सहायक सामग्री =

किसी भी विषय के शिक्षण को सफल बनाने के लिये सहायक साधनों की आवश्यकता होती है। गणित शिक्षण के विषय में भी यही बात है। फ्रोबेल के अनुसार "पाठ स्थूल से आरम्भ होकर सूक्ष्म पर समाप्त होना चाहिये"। जिन साधनों अथवा सामग्रियों के द्वारा सूक्ष्म ज्ञान को स्थूल रूप देकर स्पष्ट और सरल बनाया जाता है उन्हें हम सहायक सामग्री के नाम से पुकारते है।

एक चीनी कहावत है कि, "एक बार का देखना हजारों बार के सुनने से बेहतर है"।

गणित शिक्षण में सहायक सामग्री का महत्व दो प्रकार से होता है।

⇒ 1. छात्रों को व्यक्तिगत रूप से अपने अध्ययन को सफलतापूर्वक चलाने के लिये।

⇒ 2. सामूहिक रूप से अध्ययन को सुचारुता को बनाये रखने के लिये।

सहायक सामग्री की आवश्यकता और महत्तव =

सहायक सामग्री की आवश्यकता और महत्तव निम्न प्रकार है।

1- ज्ञानेन्द्रियों का महत्तव

2- स्थूल और प्रत्यक्ष का महत्तव

3- स्पष्ट और स्थायी धारणा की परिकल्पना

4- रोचकता और मनोरंजन का महत्तव

5- ध्यान और एकाग्रता का महत्तव

6- शिक्षकों के लिये सरलता

7- बालक के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन

8- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास

=) अच्छी सहायक सामग्री के गुण =

1=) सहायक सामंग्री बहुत अधिक मँहगी नहीं होनी चाहिये।

2=) सहायक सामग्री बालकों पर वांछित प्रभाव डालने एवं अध्यापक के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक सहायक होनी चाहिये।

3=) सहायक सामग्री बालकों के स्तर के अनुकूल होनी चाहिये।

4=) सहायक सामग्री सुन्दर, आकर्षक एवं रोचिकर होनी चाहिये।

Scanned with CamScanner

सहायक सामग्री के प्रयोग में सावधानियां =

सहायक सामग्री के प्रयोग में निम्न सावधानियां बरतनी चाहिये।

1 => सहायक सामग्री केवल उतनी ही देर दिखायी अथवा प्रयोग में लायी जाये जितनी देर उसका दिखाना अथवा प्रयोग किया जाना आवश्यक है।

2 => कम आयु एवं छोटी कक्षाओं के बालकों के लिये इनका प्रयोग अधिक करना चाहिये और बड़ी कक्षाओं में कम।

3 => सहायक सामग्री का प्रयोग पाठ में उचित स्थल पर और केवल आवश्यकता पड़ने पर किया जाना चाहिये।

4 => जहां तक हो सके स्व निर्मित सहायक सामग्री ही प्रयोग में लाई जाये।

Topic to be Continue

22/04/20